TDC SYLLABUS FOR (टी. डी. सी. पाठ्यक्रम)

HINDI (हिन्दी)

(Modern Indian Language)

आधुनिक भारतीय भाषा

Arts (कला) / Commerce (वाणिज्य) / Science (विज्ञान)

(A) MIL (HINDI)

T.D.C 3rd Semester 301 : Hindi Bhasha Aur Rachna

4th Semester 401 : Hindi Aur Uski Pramukh Vidhayein

(B) ELECTIVE HINDI (PASS COURSE)

1st Sem : 101 Hindi Sahitya Ka Itihas Aur Hindi Bhasha

2nd Sem : 201 Adikaleen Evam Nirgun Bhakti Kavya.

3rd Sem : 301 Gadya Sahitya

4th Sem : 401 Sagun Bhakti Kavya

5th Sem : 501 Reeti Kavya

6th Sem : 601 Adhunik Kavita (Chhayawad Tak)

(C) HINDI HONOURS

1st Sem : 101 Hindi Sahitya Ka Itihas (Adikal)
102 Katha Sahitya
103 Hindi Bhasha ka Swaroop

2nd Sem : 201 Adikaleen Kavya
202 Nibandha, Natak Aur Ekanki
203 Kavya Sidhhant

3rd Sem : 301 Hindi Sahitya Ka Itihas (Madhyakal)
302 Nirgun Bhakti Kavya
303 Rekhachitra, Sansmaran Aur Reportaj

4th Sem : 401 Reeti Kavya
402 Sagun Bhakti Kavya
403 Bhasha Vigyan

5th Sem : 501 Hindi Sahitya Ka Itihas (Adhunik Kavya)
502 Adhunik Kavita (Chhayawad Tak)
503 Chhayawadottar Kavita

6th Sem : 601 Samkaleen Kavita (1960 ke bad)
602 Swatantrayottar Katha Sahitya
603 Hindi Alochana

4. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
5. आधुनिक हिन्दी कविता : विश्वनाथ तिवारी, राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
6. कविता और संवेदना : विजयबहादुर सिंह : रामकृष्ण प्रकाशन, विदिशा, म०प्र०।
7. प्रसाद, निराला, अज्ञेय : डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, द्वारा राजकमलप्रकाशन, नई दिल्ली।
8. हिन्दी साहित्य की आधुनिक प्रवृत्तियाँ : डॉ० नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, द्वारा राजकमलप्रकाशन, नई दिल्ली।
9. अंलकार मुक्तावली : आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, भारती भवन, पटना।
10. काव्यांग कौमुदी : आ० विश्वनाथ प्रसाद, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
11. शब्द शक्ति विवेचन : डॉ रामलखन गुप्त, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
12. रस अंलकार पिंगल : डॉ० शम्भुनाथ पाण्डेय, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा।

1rd SEMESTER
टी. डी. सी. प्रथम सेमेस्टर

ELECTIVE HINDI
(वैकल्पिक हिन्दी)

(PASS COURSE)

101 : HINDI SAHITYA KA ITIHAS AUR HINDI BHASHA
हिंदी साहित्य का इतिहास और हिंदी भाषा

Full Marks : 50
Pass Marks : 17
Time : 2 hours
पूर्णांक - 50 अंक
समय - दो घंटे

इकाई एक : हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं भक्तिकाल) :

- आदिकाल की पृष्ठभूमि, आदिकाल का नामकरण, आदिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।
- भक्तिकाल के उदय की पृष्ठभूमि, भक्तिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।
- भक्तिकाव्य के प्रमुख कवि और उनके काव्य का सामान्य परिचय।

इकाई दो : हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल एवं आधुनिक काल):

- रीतिकाल का परिवेश एवं नामकरण। रीतिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ। रीतिकाल के प्रमुख कवि और उनके काव्य का सामान्य परिचय।
- आधुनिक काल के उद्भव की परिस्थितियाँ। आधुनिक कविता : भारतेन्दु युगीन कविता, द्विवेदी युगीन कविता, छायावादी कविता, प्रगतिवादी कविता, प्रयोगवादी कविता, नई कविता एवं साठोत्तरी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ। हिंदी गद्य की प्रमुख विधाएँ : कहानी,उपन्यास, नाटक और निबंध के उद्भव और विकास का सामान्य परिचय।

इकाई तीन : हिंदी भाषा का सामान्य परिचय

- हिंदी का अर्थ। हिंदी भाषा का क्षेत्र। हिंदी भाषा के विविध रूपों का सामान्य परिचय, विशेषताएँ एवं उनका महत्व यथा राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, मानक भाषा। देवनागरी लिपि : गुण - दोष और उसका मानकीकरण। हिंदी में कारक चिन्हों का प्रयोग।

इकाई चार : हिंदी और उसकी बोलियाँ

हिंदी भाषा के विकास का सामान्य परिचय। हिंदी और उसकी प्रमुख बोलियों का सामान्य परिचय।

निर्देश :

- पाठ्यक्रम चार इकाइयों में विभक्त है। परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंको का होगा। इस प्रकार प्रश्न का पूर्णांक 50 है। प्रश्नपत्र का स्वरूप निम्नलिखित होगा:

क : निबंधात्मक अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 x 10 = 40 अंक।

इकाई क्रमांक एक, इकाई क्रमांक दो, इकाई क्रमांक तीन और इकाई क्रमांक चार से कम से कम दो दो प्रश्न निबंधात्मक प्रश्न दिये जायेंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कुल चार निबंधात्मक या दीर्घउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न 10 अंकों का होगा। इस प्रकार कुल चार निबंधात्मक अथवा दीर्घउत्तरीय प्रश्न 4 x 10 = 40 अंक के होंगे।

ख : लघूत्तरीय प्रश्न 2 x 05 = 10 अंक।

पाँचवा प्रश्न लघूत्तरीय होगा। प्रत्येक इकाई से एक एक प्रश्न देते हुए कम से कम चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इस प्रकार कुल दो लघूत्तरीय प्रश्न = 2 x 05 = 10 अंक।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, काशी।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ० नगेन्द्र, मयूर पेपर बैक्स, ए- 95, सैक्टर - 5, नोएडा - 1
3. हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ० बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. आदिकालीन हिन्दी साहित्य : डॉ० शंभुनाथ पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।
7. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारीप्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
8. भक्ति आंदोलन इतिहास और संस्कृति : डॉ० कैवर पाल सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
9. भक्तिकाव्य की भूमिका : प्रेमशंकर : राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
10. मध्यकालीन कवि और कविता : रतन कुमार : अनंग प्रकाशन, उत्तरी घोण्डा, दिल्ली - 53
11. रीति काव्य के विविध आयाम : डॉ० सुधीन्द्र कुमार : स्वराज्य प्रकाशन, नई दिल्ली।
12. हिन्दी रीति साहित्य : डॉ० भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

13. रीतिकालीन स्वच्छन्दकाव्य धारा : डॉ० चन्द्र शेखर, राजपाल एण्ड सन्ज, कश्मीरी गेट, दिल्ली।
14. आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ० नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
15. समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ : डॉ० रामकली सराफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
16. छायावाद : डॉ० नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
17. प्रगतिवादी आंदोलन का इतिहास : डॉ० कर्णसिंह चौहान, प्रकाशन संस्थान, दरियागंज, नई दिल्ली।
18. प्रयोवाद, नई कविता और नकेन : मोहम्मद इम्तियाज खाँ: अंनग प्रकाशन, उत्तरी घोण्डा, दिल्ली - 59
19. नई कविता : डॉ० देवराज, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
20. नयी कविता और अस्तित्ववाद : डॉ० रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, न० दिल्ली।
21. हिन्दी भाषा का विकास : डॉ० भोलानाथ तिवारी।
22. हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि : डॉ० धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
23. हिन्दी भाषा की संरचना : भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
24. हिन्दी भाषा : इतिहास और स्वरूप : राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

2nd SEMESTER
द्वितीय - सेमेस्टर

201 : ADIKALIN EVAM NIRGUNBHAKTI KAVYA
आदिकालीन एवं निर्गुणभक्ति काव्य

Full Marks : 50
Pass Marks : 17
Time : 2 hours
पूर्णांक - 50 अंक
समय - दो घंटे

1. निर्धारित पाठ्य पुस्तक : 'आदिकालीन काव्य संग्रह', सम्पादक डॉ० नागेन्द्र नाथ उपाध्याय एवं डॉ० शंभुनाथ पाण्डेय, प्रकाशक : संजय बुकसेंटर, गोलघर, वाराणसी।
2. निर्धारित पाठ्य पुस्तक (जायसी और कबीर के लिए): 'काव्य संचयन' सम्पादक डॉ० चमनलाल गुप्ता, वाणी प्रकाशन, 21- दरियागत, नयी दिल्ली - 2

इकाई एक : सरहपा एवं चंदरवरदाई

अ - सरहपा : आरंभिक पाँच दोहे।
ब - चन्दरबरदाई - कयमास वध से आरंभिक छह पद।

इकाई दो : विद्यापति एवं जायसी

अ - विद्यापति : पद संख्या 1, 2, 3, 7, 8 एवं 9।
ब - जायसी - बनजारा खंड से आरंभिक पाँच हिस्से।

इकाई तीन : कबीर

दस दोह - दोहा संख्या - 5, 8, 10, 15, 22, 23, 27, 32, 35 एवं 37
तीन पद - संख्या - 2, 4 एवं 11

निर्देश :

- पाठ्यक्रम तीन इकाइयों में विभक्त है। परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों को उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का होगा। इस प्रकार प्रश्न का पूर्णांक 50 है। प्रश्नपत्र का स्वरूप निम्नलिखित होगा :

क : व्याख्या $1 \times 10 = 10$ अंक।

इकाई क्रमांक एक, इकाई क्रमांक दो एवं इकाई क्रमांक तीन से व्याख्या हेतु एक - एक पद्यांश देते हुए कम से कम तीन पद्यांश दिये जायेंगे। परीक्षार्थी किसी एक पद्यांश की ससंदर्भ व्याख्या करनी होगी। व्याख्या हेतु 10 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार व्याख्या = $1 \times 10 = 10$ अंक।

ख : निबंधात्मक अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न $4 \times 10 = 40$ अंक।

इकाई क्रमांक एक, इकाई क्रमांक दो, एवं इकाई क्रमांक तीन से कम से कम दो - दो प्रश्न निबंधात्मक प्रश्न दिये जायेंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक - एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कुल तीन निबंधात्मक या दीर्घउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न 10 अंकों का होगा। इस प्रकार निबंधात्मक अथवा दीर्घउत्तरीय प्रश्न = $3 \times 10 = 10$ अंक।

ग : लघूत्तरीय प्रश्न $2 \times 05 = 10$ अंक।

पाँचवा प्रश्न लघूत्तरीय होगा। प्रत्येक इकाई से एक - एक लघूत्तरीय प्रश्न देते हुए कम से कम चार लघूत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इस प्रकार लघूत्तरीय प्रश्न = $2 \times 05 = 10$ अंक।

संदर्भग्रंथ सूची :

1. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारीप्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. आदिकालीन हिंदी साहित्य : डॉ० शंभुनाथ पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. नाथ संप्रदाय : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. रासो साहित्य विमर्श : माता प्रसाद गुप्त (सं०), साहित्य भवन, इलाहाबाद
6. चन्दबरदाई और उनका काव्य : विपिन बिहारी द्विवेदी, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद।
7. पृथ्वीराज रासो भाषा और साहित्य : नामवर सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली।
8. विद्यापति ठाकुर : उमेश मिश्र, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद।
9. विद्यापति : शिव प्रसाद सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
10. विद्यापति के गीत : सं० नागार्जुन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. विद्यापति का काव्यलोक : श्री नरेन्द्र नाथ दास, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना।
12. विद्यापति : अनुशीलन और मूल्यांकन (दो खण्डों में) डॉ० वीरेन्द्र श्रीवास्तव, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना।
13. जायसी : विजयदेव नारायण साही, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद।

14. मलिक मुहम्मद जायसी : डॉ० कन्हैया सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
15. जायसी का अभिप्रेत आशय : विजय शंकर मिश्र, साहित्य सहकार, दिल्ली।
16. कबीर : एक पुनर्मूल्यांकन : सं० बल्देव वंशी, आधार प्रकाशन, पंचकूला, हरियाणा।
17. कबीर और उनका दर्शन : डॉ० रामाश्रय दास ब्रह्मचारी, प्रकाशन संस्थान, दरियागंज, नई दिल्ली।
18. कबीर : विजयेन्द्र स्नातक : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
19. हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि : द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।

3rd SEMESTER

तृतीय - सेमेस्टर

301 : GADYA SAHITYA

गद्य साहित्य

Full Marks : 50
Pass Marks : 17
Time : 2 hours
पूर्णांक - 50 अंक
समय - दो घंटे

इकाई एक : कथा साहित्य

अ - उपन्यास : 'गबन' - लेखक प्रेमचंद

ब - कहानियाँ : निम्नलिखित पाँच कहानियाँ:

1. कफन (प्रेमचंद), 1. आकाशदीप (जयशंकर प्रसाद),
3. ताई (विश्वंभरनाथ कौशिक), 4. रसप्रिया (फणीश्वरनाथ रेणु)
एवं 5 वापसी (उषा प्रियंवदा)।

पाठ्य पुस्तक : 'कथा एकादशी' सम्पादक डॉ० विजयपाल सिंह, प्रकाशक : संजय बुकसेंटर, गोलघर, वाराणसी।

इकाई दो : नाटक

अंधेर नगरी : भारतेन्दु हरिश्चंद्र

इकाई तीन : निबंध

निम्नलिखित पाँच निबंध :

1.कृष्ण चैतन्य महाप्रभु (पं० बालकृष्ण भट्ट), 2. प्रभात (महावीर प्रसाद द्विवेदी), 3. एक दुराशा (बालमुकुन्द गुप्त), सच्ची वीरता (सरदार पूर्ण सिंह), 5. श्रद्धा - भक्ति (रामचंद्र शुक्ल)।

पाठ्य पुस्तक : निबंध निकष,
प्रकाशक : संजय बुक सेंटर, गोलघर, वाराणसी।

निर्देश :

- पाठ्यक्रम तीन इकाइयों में विभक्त है। परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंको का होगा। इस प्रकार प्रश्न का पूर्णांक 50 है। प्रश्नपत्र का स्वरूप निम्नलिखित होगा :

क : व्याख्या 1 x 10 = 10 अंक।

- इकाई क्रमांक एक, इकाई क्रमांक दो एवं इकाई क्रमांक तीन से व्याख्या हेतु एक-एक गद्यांश देते हुए कम से कम तीन गद्यांश दिये जायेंगे। परीक्षार्थी किसी एक गद्यांश की ससंदर्भ व्याख्या करनी होगी। व्याख्या हेतु 10 अंक निर्धारित है। इस प्रकार व्याख्या 1 x 10 = 10 अंक।

ख : निबंधात्मक अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4x 10 = 40 अंक।

- इकाई क्रमांक एक, इकाई क्रमांक दो, एवं इकाई क्रमांक तीन से कम से कम दो - दो प्रश्न निबंधात्मक प्रश्न दिये जायेंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक - एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कुल तीन निबंधात्मक या दीर्घउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न 10 अंकों का होगा। इस प्रकार निबंधात्मक अथवा दीर्घउत्तरीय प्रश्न = 3 x 10 = 30 अंक।

ग : लघूत्तरीय प्रश्न 2 x 05 = 10 अंक।

- पाँचवा प्रश्न लघूत्तरीय होगा। प्रत्येक इकाई से एक - एक लघूत्तरीय प्रश्न देते हुए कम से कम चार लघूत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो लघूत्तरीय के उत्तर देने होंगे। इस प्रकार लघूत्तरीय प्रश्न = 2 x 05 = 10 अंक।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. साहित्य विधाओं की प्रकृति : डॉ० देवी शंकर अवस्थी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ० रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. कहानी : नयी कहानी : डॉ० नामवर सिंह, लोकभारती द्वारा राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. हिन्दी कहानी परम्परा और प्रगति : डॉ० हरदयाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. कहानी अनुभव और अभिव्यक्ति : राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का चिंतन जगत् : प्रो० के० डी० पालीवाल : स्वराज्य प्रकाशन, नई दिल्ली ।
7. भारतेन्दु और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. हिन्दी कहानी बीसवीं शताब्दी : डॉ० श्याम गोविन्द, अनंग प्रकाशन, उत्तरी घोण्डा, दिल्ली।
9. प्रेमचंद और उनका युग : डॉ० रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. प्रेमचंद एक विवेचन : इन्द्रनाथ मदान : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. प्रेमचंद : डॉ० सत्येन्द्र राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
12. अंधेर नगरी : सृजन - विश्लेषण और पाठ : रमेश गौतम : किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली।

4th SEMESTER
चतुर्थ - सेमेस्टर

401 : SAGUN BHAKTIKAVYA
सगुण भक्तिकाव्य

Full Marks : 50
Pass Marks : 17
Time : 2 hours
पूर्णांक - 50 अंक
समय - दो घंटे

पाठ्य पुस्तक : 'काव्य संचयन' सम्पादक डॉ० चमनलाल गुप्ता
वाणी प्रकाशन 21 - दरियागंज, नयी दिल्ली - 2

इकाई एक : सूरदास।
निर्धारित पाठ :
विनय तथा भक्ति से पद सं० - 4 एवं 7।
रूपमाधुरी एवं बाल लीला से पद सं० - 12,13 एवं 14।
मथुरा गमन और भ्रमर गीत से पद सं 20 एवं 22।

इकाई दो : तुलसीदास
निर्धारित पाठ :
अजेय रथ। विनय पत्रिका से - पद सं० 2 एवं 4।

इकाई तीन : मीराबाई।
निर्धारित पाठ : कुल पाँच पद पद सं० 1, 3, 7, 8 एवं 10।

निर्देश :

- पाठ्यक्रम तीन इकाइयों में विभक्त है। परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंको का होगा। इस प्रकार प्रश्न का पूर्णांक 50 है। प्रश्नपत्र का स्वरूप निम्नलिखित होगा :

क : व्याख्या $1 \times 10 = 10$ अंक।

- इकाई क्रमांक एक, इकाई क्रमांक दो एवं इकाई क्रमांक तीन से व्याख्या हेतु एक - एक पद्यांश देते हुए कम-से-कम तीन पद्यांश दिये जायेंगे। परीक्षार्थी किसी एक पद्यांश की ससंदर्भ व्याख्या करनी होगी। व्याख्या हेतु 10 अंक निर्धारित है। इस प्रकार व्याख्या = $1 \times 10 = 10$ अंक।

ख : निबंधात्मक अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न $4 \times 10 = 40$ अंक।

- इकाई क्रमांक एक, इकाई क्रमांक दो, एवं इकाई क्रमांक तीन से कम से कम दो - दो प्रश्न निबंधात्मक प्रश्न दिये जायेंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक - एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कुल तीन निबंधात्मक या दीर्घउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्यंक निबंधात्मक प्रश्न 10 अंकों का होगा। इस प्रकार निबंधात्मक अथवा दीर्घउत्तरीय प्रश्न = $3 \times 10 = 30$ अंक।

ग : लघूत्तरीय प्रश्न $2 \times 05 = 10$ अंक।

- पाँचवा प्रश्न लघूत्तरीय होगा। प्रत्येक इकाई से एक - एक लघूत्तरीय प्रश्न देते हुए कम से कम चार लघूत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इस प्रकार लघूत्तरीय प्रश्न = $2 \times 05 = 10$ अंक।

संदर्भग्रंथ सूची :

1. हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि : द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
2. सूरदास और उनका साहित्य : हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़।
3. सूर साहित्य : डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. सूरदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, 21 ए, दरियागंज, दिल्ली।
5. महाकवि सूरदास : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य : डॉ० मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
7. तुलसी : एक पुनर्मूल्यांकन : सं० अजय तिवारी, आधार प्रकाशन, पंचकूला, हरियाणा।
8. तुलसी की साहित्य साधना : डॉ० लल्लन राय, वाणी प्रकाशन, 21 ए दरियागंज, दिल्ली।
9. लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. तुलसी : उदय भानु सिंह : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली। 11
11. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
12. रामचरित मानस : एक साहित्यिक मूल्यांकन : सुधाकर पाण्डेय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
13. मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
14. हिन्दी की गीतिकाव्य परंपरा और मीरा : डॉ० मंजु तिवारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
15. मध्यकालीन बोध का स्वरूप : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
16. भक्तिकाव्य का समाज दर्शन : प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
17. मन खंजन किसके: मध्यकालीन साहित्य, संस्कृति और मूल्यांकन, रमेश कुंतल मेघ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।।

5th SEMESTER
पंचम- सेमेस्टर

501 : REETI KAVYA
रीति काव्य

Full Marks : 50
Pass Marks : 17
Time : 2 hours
पूर्णांक - 50 अंक
समय - दो घंटे

पाठ्य पुस्तक : 'मध्यकालीन काव्य संग्रह' प्रस्तुतकर्ता - केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा प्रकाशन : विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

इकाई एक : बिहारी एवं मतिराम

अ - बिहारी

निर्धारित पाठ : पंद्रह दोहे। दोहा संख्या - 01, 02, 05, 08, 09, 11, 13, 16, 19, 22, 24, 25, 26, 27 एवं 30.

ब - मतिराम

निर्धारित पाठ : सभी पाँच पद।

इकाई दो : घनानंद और रसखान

अ - घनानंद

निर्धारित पाठ : सभी चार पद।

ब - रसखान

निर्धारित पाठ : पद संख्या - 01, 03, 05, 06, 09 एवं 10

इकाई तीन : देव और पद्माकर

अ - देव

निर्धारित पाठ : पद संख्या - 01, 03, 06, 08, 11 एवं 12।

ब - पद्माकर :

निर्धारित पाठ : पद संख्या - 01, 02, 03, 04, 06, एवं 08।

निर्देश :

- पाठ्यक्रम तीन इकाइयों में विभक्त है। परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंको का होगा। इस प्रकार प्रश्न का पूर्णांक 50 है।

प्रश्नपत्र का स्वरूप निम्नलिखित होगा :

क : व्याख्या $1 \times 10 = 10$ अंक।

इकाई क्रमांक एक, इकाई क्रमांक दो एवं इकाई क्रमांक तीन से व्याख्या हेतु एक - एक पद्यांश देते हुए कम

में कम तीन पद्यांश दिये जायेंगे। परीक्षार्थी किसी एक पद्यांश की ससंदर्भ व्याख्या करनी होगी। व्याख्या हेतु 10 अंक निर्धारित है। इस प्रकार व्याख्या $= 1 \times 10 = 10$ अंक।

क: निबंधात्मक अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न $4 \times 10 = 40$ अंक।

इकाई क्रमांक एक, इकाई क्रमांक दो, एवं इकाई क्रमांक तीन से कम दो - दो प्रश्न निबंधात्मक प्रश्न दिये जायेंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक - एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कुल तीन निबंधात्मक या दीर्घउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न 10 अंकों का होगा। इस प्रकार निबंधात्मक अथवा दीर्घउत्तरीय प्रश्न $= 3 \times 10 = 30$ अंक।

ख : लघूत्तरीय प्रश्न $2 \times 05 = 10$ अंक।

पाँचवा प्रश्न लघूत्तरीय होगा। प्रत्येक इकाई से एक - एक लघूत्तरीय प्रश्न देते हुए कम से कम चार लघूत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इस प्रकार लघूत्तरीय प्रश्न $= 2 \times 05 = 10$ अंक।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. रीति युगीन काव्य : कृष्ण चंद्र वर्मा : पुस्तक मंदिर, इलाहाबाद।
2. हिन्दी रीति साहित्य : डॉ० भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. रीति काव्य के विविध आयाम : डॉ० सुधीन्द्र कुमार : स्वराज्य प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. बिहारी का नया मूल्यांकन : डॉ० बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. बिहारी अनुशीलन : डॉ० सरोज गुप्ता : स्वराज्य प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. बिहारी एक मूल्यांकन : हरिचरण शर्मा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
7. रीतिकालीन स्वच्छन्दकाव्य धारा : डॉ० चन्द्र शेखर, राजपाल एण्ड सन्ज, कश्मीरी गेट, दिल्ली।
8. घनानन्द ग्रंथावली : डॉ० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी।

6th SEMESTER
षष्ठ - सेमेस्टर

601 : ADHUNIK KAVITA (CHHAYAVAD TAK)
आधुनिक कविता (छायावाद तक)

Full Marks : 50
Pass Marks : 17
Time : 2 hours
पूर्णांक - 50 अंक
समय - दो घंटे

पाठ्य पुस्तक : 'आधुनिक काव्य संग्रह' सं० रामवीर सिंह
प्रकाशक : विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी - 221001(यू०पी०)

इकाई एक : भारतेंदु हरिश्चंद्र एवं मैथिलीशरण गुप्त
अ - भारतेन्दु हरिश्चंद्र :
प्रस्तावित पाठ - हिंदी भाषा शीर्षक कविता से दोहा संख्या - 1, 4, 12, 20, 21, 22, 23, 24, 26, 27, 30, 35, 39, 40, 43 = कुल पंद्रह दोहे
ब - मैथिलीशरण गुप्त :
प्रस्तावित पाठ 'उर्मिला', 'यशोधरा' (1 और 2) शीर्षक कविताएँ।

इकाई दो: जयशंकर प्रसाद एवं निराला।
अ - जयशंकर 'प्रसाद' :
प्रस्तावित पाठ - 'निर्वेद', 'हे लाज भरे सौंदर्य बता दो' 'ले चल मुझे भुलावा देकर', 'अरुण यह मधुमय देश हमारा' शीर्षक कविताएँ।
ब - सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला :
प्रस्तावित पाठ - 'बाँधो न नाव' : 'भिक्षुक', जागो फिर एक बार (1 और 2) शीर्षक कविताएँ।

इकाई तीन : पंत एवं महादेवी
अ - सुमित्रानंदन पंत :
प्रस्तावित पाठ - प्रथम रश्मि और भारतमाता शीर्षक कविताएँ।
ब - महादेवी वर्मा :
प्रस्तावित पाठ - चार गीत : 1. मैं नीर भरी दुख की बदली
2. कौन पहुँचा देगा उस पार, 3. पिक हौले हौले बोल, 4. प्रिय पथ के ये शूल।

निर्देश :
- पाठ्यक्रम तीन इकाइयों में विभक्त है। परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंको का होगा। इस प्रकार प्रश्न का पूर्णांक 50 है।
प्रश्नपत्र का स्वरूप निम्नलिखित होगा :

क : व्याख्या 1 x 10 = 10 अंक।
इकाई क्रमांक एक, इकाई क्रमांक दो एवं इकाई क्रमांक तीन से व्याख्या हेतु एक - एक पद्यांश देते हुए कम से कम तीन पद्यांश दिये जायेंगे। परीक्षार्थी को किसी एक पद्यांश की ससंदर्भ व्याख्या करनी होगी। व्याख्या हेतु 10 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार व्याख्या = 1 x 10 = 10 अंक।

क : निबंधात्मक अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 x 10 = 40 अंक।
इकाई क्रमांक एक, इकाई क्रमांक दो, एवं इकाई क्रमांक तीन से कम से कम दो - दो प्रश्न निबंधात्मक प्रश्न दिये जायेंगे। परिक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक - एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कुल तीन निबंधात्मक या दीर्घउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न 10 अंकों का होगा। इस प्रकार निबंधात्मक अथवा दीर्घउत्तरीय प्रश्न = 3 x 10 = 30 अंक।

ख : लघूत्तरीय प्रश्न 2 x 05 = 10 अंक।
पाँचवा प्रश्न लघूत्तरीय होगा। प्रत्येक इकाई से एक - एक लघूत्तरीय प्रश्न देते हुए कम-से-कम चार लघूत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इस प्रकार लघूत्तरीय प्रश्न = 2 x 05 = 10 अंक।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. आधुनिक हिंदी कविता : विश्वनाथ तिवारी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएं : डॉ० रामविलास शर्मा, राजकमल प्र०, न० दिल्ली।
3. मैथिलीशरण गुप्त : प्रासंगिकता के अंत:सूत्र : कृष्ण दत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, न० दिल्ली।
4. मैथिलीशरण गुप्त एक मूल्यांकन : डॉ० नगेन्द्र, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. जयशंकर प्रसाद : एक पुनर्मूल्यांकन : विनोद शाही, आधार प्रकाशन प्रा० लि०, पंचकूला (हरियाणा)।
6. प्रसाद का काव्य : प्रेमशंकर 12, राज कमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. निराला का काव्य : डॉ० बच्चन सिंह, आधार प्रकाशन, पंचकूला।
8. निराला : डॉ० रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, न० दिल्ली।
9. प्रसाद, निराला और पंत : विजय बहादुर सिंह, स्वराज्य प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. प्रसाद, निराला, अज्ञेय : डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, द्वारा राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. हिन्दी साहित्य की आधुनिक प्रवृत्तियाँ : डॉ० नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, द्वारा राज कमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
12. छायावाद : डॉ० नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
13. हिन्दी स्वच्छंदतावादी काव्य : प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
14. कामायनी विमर्श : भगीरथ दीक्षित, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
15. सुमित्रानंदन पंत : सं० बच्चन, राजपाल एण्ड सन्ज, कश्मीरी गेट, दिल्ली।
16. निराला की कविताएँ और काव्य भाषा : डॉ० रेखा खरे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
17. निराला : कवि-छवि : डॉ० नन्दकिशोर नवल, प्रकाशन संस्थान, दरियागंज, नई दिल्ली।
18. महादेवी : गंगाप्रसाद पाण्डेय, राजपाल एण्ड सन्ज, कश्मीरी गेट, दिल्ली।
19. महादेवी : इन्द्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
20. महादेवी : आधुनिक कवि भाग - 1, प्रकाशक : साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
21. सुमित्रानंदन पंत : आधुनिक कवि भाग - 2, साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।